THE ASSAM VALLEY SCHOOL

ENTRANCE EXAMINATION:

SUBJECT: HINDI

FOR ADMISSION TO CLASS : 7

Time: 45 MINUTES M.M. : 25

(TO BE FILLED IN BY THE CANDIDATE)

Name .....

Date of birth .....

Studying in class .....

Class in which admission is desired .....

Registration Number .....

Name of Centre .....

Date .....

(TO BE FILLED IN BY THE EXAMINER)

MARKS OBTAINED IN PERCENTAGE .....

INITIALS OF THE EXAMINER .....

SIGNATURE OF THE EXAMINER .....

INITIALS OF THE CHAIR .....

SIGNATURE OF THE CHAIR .....

COMMENT OF THE CHAIR .....

हिन्दी प्रवेश परीक्षा प्रश्न-पत्र

कक्षा - सातवीं

Question 1

Write a short composition in Hindi of approximately 100 words on any one of the following topics: [10]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग १०० शब्दों का निबंध लिखिए।

(१) जब मुझे पहली बार पुरस्कार मिला

(२) मेरा प्रिय त्योहार

(३) मेरा परिवार

(४) नीचे दिये गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए।

Question 2

Read the passage given below carefully and answer in Hindi the questions that follow,using your own words as far as possible. [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए।

उज्जयिनी नामक नगरी में देवशर्मा नामक एक ब्राह्मण रहता था। जिस दिन उसकी पत्नी ने एक पुत्र को जन्म दिया उसी दिन एक नेवली को भी एक नेवला (बच्चा) उत्पन्न हुआ। किन्तु नेवली उसको जन्म देने के उपरान्त एक भयानक रोग के कारण स्वर्ग सिधार गई। पुत्र-प्रेमी उस ब्राह्मणी ने अपने पुत्र के समान ही दुग्ध-पान आदि क्रियाओं के द्वारा नेवली के उस बच्चे का पालन-पोषण भी किया, किन्तु नेवले के प्रति अपार वात्सल्य भाव रखते हुए भी वह ब्राह्मणी उस पर सदा संदेह करती थी कि जाति- दोष के कारण कहीं वह उसके पुत्र को कोई हानि न पहुँचा दे।

एक दिन वह ब्राहणी कमल से भी कोमल एवं चन्दन से भी शीतल अपने पुत्र को शैय्या पर सुलाकर अपने पति से बोली- "ब्राह्मण, मैं जल भरने के लिए तालाब पर जा रही हूँ। तुम नेवले से बच्चे की रक्षा करना।" ब्राह्मणी के चले जाने पर उसका पति भी घर को निर्जन छोड़कर भिक्षा के लिए बाहर चला गया। उसी बीच दुर्भाग्यवश एक काला सर्प बिल से निकला और ब्राह्मण के पुत्र की ओर बढ़ने लगा। नेवला सर्प के मनोभाव को समझ गया। उसने ब्राह्मणी के पुत्र को सर्प से बचाने के लिए उसके साथ युद्ध किया और उसके टुकड़े-टुकड़े कर दिये। घर लौटने पर खून से लिप्त नेवले के मुख को देखकर ब्राह्मणी ने शंकिताचित होकर सोचा- निश्चय ही इस दुष्टात्मा ने मेरे बच्चे के खा लिया है। ऐसा विचार कर क्रोध में आकर उसने नेवले पर जल के घड़े को फेंककर उसे मार डाला।

इस प्रकार नेवले को मारकर, पुत्र मृत्यु की आशंका से विलाप करती हुई जब वह अपने घर के अंदर गयी तो उसने देखा कि उसका बेटा पूर्ववत् शैय्या पर सोया हुआ है और उसके समीप काले साँप के टुकड़े

पड़े हुए हैं। यह देखकर वह नेवले के वध के शोक से अपने सिर और छाती को पीटने लगी। उसे विलाप करते हुए देखकर ब्राह्मण ने कहा,"तुमने बिना सोचे उस बेचारे की हत्या कर दी। अब विलाप करना व्यर्थ है। अविवेकी व्यक्ति ही बिना सोच-विचार के ऐसे कार्य में प्रवृत्त हुआ करता है। इस प्रकार के मानव को अविचारित कार्य करने पर केवल असफलता ही प्राप्त नहीं होती अपितु जीवनभर पश्चाताप का दुख भोगते हुए संसार में उपहास का पात्र भी बनना पड़ता है।"

(१) ब्राह्मण का नाम क्या था ? वह कहाँ रहता था ? जिस दिन ब्राह्मणी ने पुत्र को जन्म दिया उस दिन क्या हुआ ?

(२) ब्राह्मणी ने पुत्र के समान किसका, किस तरह और क्यों पालन-पोषण किया ?

(३) ब्राह्मणी के घर में न रहने पर किसने क्या किया और किसलिए ?

(४) ब्राह्मणी को किस पर संदेह हुआ ? उसके बाद उसने क्या किया ?

Question 3

Correct the following sentences. [2.5]

निम्नांकित वाक्यों को शुद्ध करें।

(१) उसका नेत्र से आँसू गिर रहे हैं।

_____

(२) रवि और नीरा पाठशाला गई।

_____

(३) गन्ने में मीठा कम है।

_____

(४) नभ में पतंग उड़ रहा है।

_____

(५) मेरा पिताजी बाजार जायेगा।

_____

Question 4

Tick (√) the correct opposite word given in bracket for the following words. [2.5]

निम्नांकित लिखें शब्दों के लिए कोष्ठक में दिये सही विलोम शब्द का चयन करें व उस पर सही (√) का निशान लगायें।

(१) कृतज्ञ (कुटिल, कृतघ्न, कुकर्म)

(२) पुरस्कार (सत्कार, दुराचार, तिरस्कार)

(३) विजय (जय, पराजय, अक्षय)

(४) स्वामी (सेवक, रक्षक, संरक्षक)

(५) देव (मानव, दानव, हिंसक)